भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या:2254

दिनांक 31 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स के वरिष्ठ डॉक्टरों का वीआरएस लेना

2254. श्री गिरिधारी यादव:

श्री दिनेश चंद्र यादव:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बिहार में दरभंगा एम्स सहित रेवाड़ी (माजरा, हरियाणा), अवंतीपोरा (जम्मू और कश्मीर) और बेंगलुरु (कर्नाटक) में एम्स अस्पतालों की वर्तमान स्थिति क्या है तथा इन सभी संस्थानों के कब तक कार्यशील होने की संभावना है;

(ख) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली से वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा अपनी सेवानिवृत्ति से पूर्व स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) का विकल्प चुनकर संस्थान छोड़ने के क्या कारण हैं, साथ ही अब तक इस प्रकार संस्थान छोड़ने वाले डॉक्टरों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या यह सच है कि डॉक्टर चिकित्सीय उपचार प्रदान करने के अलावा अन्य प्रशासनिक कार्यों के बोझ के कारण मरीजों के इलाज में होने वाले विलंब से हताश हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि देशभर के अन्य एम्स अस्पतालों से भी डॉक्टर अपनी नौकरियां छोड़ रहे हैं; और

(ङ.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) रेवाड़ी (माजरा, हरियाणा) और अवंतीपोरा (जम्मू-कश्मीर) में एम्स के निर्माण कार्य की वास्तविक प्रगति क्रमशः 64.85% और 78% है। दोनों परियोजनाओं को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एम्स दरभंगा में पूर्व-निवेश कार्य प्रगति पर है और इसे पूरा करने की लक्षित तिथि जुलाई 2029 है। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु (कर्नाटक) के लिए किसी एम्स को मंजूरी नहीं दी गई है।

(ख) से (ङ) वर्ष 2025 के दौरान, एम्स, नई दिल्ली के 06 चिकित्सकों ने व्यक्तिगत कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) का विकल्प चुना। इसके अतिरिक्त, देश भर के एम्स में त्यागपत्र, स्वैच्छिक सेवानिवृत्तियाँ और बाद में रिक्तियों को भरना एक सतत प्रशासनिक प्रक्रिया है।

*****